Dr. M. Jha.
Dept of Sociology
V.S.J college, Rajnagar
Social Research

सामाजिक अनुसंधान एवं सर्वेक्षण:
समानता तथा असमानता।

सामाजिक अनुसंधान वह वैज्ञानिक विधि है, जिसके द्वारा सामाजिक घटनाओं व समस्याओं के कारण, अन्त: सम्बन्धों तथा उनमें अन्तर्निहित प्रक्रिया का अध्ययन, विश्लेषण व निरूपण किया जाता है। श्रीमती यंग (P.V. Young) के अनुसार "सामाजिक अनुसंधान एक वैज्ञानिक योजना है जिसका उद्देश्य तार्किक तथा क्रमबद्ध पद्धतियों के द्वारा नवीन तथ्यों का खोज अथवा पुराने तथ्यों की पुन: परीक्षा एवं उनमें पाए गए क्रमों, पारस्परिक सम्बन्धों, कार्य कारण की व्याख्या तथा उनको संचालित करने वाले स्वाभाविक नियमों का विश्लेषण करना है।" अर्थात सामाजिक अनुसंधान ज्ञान-प्राप्ति की वह विधि है जो कि निरीक्षण, वर्गीकरण, प्रयोग तथा निष्कर्षीकरण की सामान्य वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित है जिस पद्धति द्वारा अज्ञात सामाजिक घटनाओं के कारण खोज किया जाता है और सामाजिक घटनाओं का विवेचना एवं विश्लेषण भी किया जाता है।

सामाजिक सर्वेक्षण सामाजिक अनुसंधान की वह वैज्ञानिक पद्धति है जिसके द्वारा एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में रहने वाले लोगों के सम्बन्ध में सामाजिक तथ्यों का संकलन किया जाता है तथा उनकी सामाजिक समस्याओं के बारे में वास्तविक जानकारी प्राप्त की जाती है ताकि उनका निदान और [illegible] उपचार किया जा सके। सर्वेक्षण का कार्य एक सहकारी प्रयास है जिसमें तथ्यों का संकलन विभिन्न अध्ययन-कर्ताओं के सहयोग द्वारा किया जाता है

अनुसंधान तथा सर्वेक्षण में समानताएँ -

सामाजिक अनुसंधान एवं सर्वेक्षण की प्रकृति, उद्देश्य तथा पद्धतियों में निम्न समानताएँ हैं :-

1. सामाजिक अनुसंधान एवं सामाजिक सर्वेक्षण दोनों में सामाजिक घटनाओं का अध्ययन किया जाता है।
2. सामाजिक अनुसंधान एवं सर्वेक्षण में नये सामाजिक तथ्यों की खोज करने का प्रयत्न किया जाता है।
3. सामाजिक अनुसंधान एवं सामाजिक सर्वेक्षण में एक-दूसरे के समान वैज्ञानिक पद्धति का प्रयोग किया जाता है।
4. सामाजिक अनुसंधान एवं सामाजिक सर्वेक्षण में अवलोकन, निदर्शन, अनुसूची साक्षात्कार एवं अन्य प्रविधियों का प्रयोग एक जैसा किया जाता है।
5. अनुसंधान एवं सर्वेक्षण, दोनों सामाजिक व्यवहार और उसकी सत्यता को जानने के प्रयास किया जाता है।
6. अनुसंधान एवं सर्वेक्षण में कार्य-कारण को खोजा जाता है।

असमानता या अंतर :-

सामाजिक अनुसंधान एवं सामाजिक सर्वेक्षण के बीच निम्न अंतर मान्य हैं :-

1. अध्ययन क्षेत्र :- सामाजिक अनुसंधान का सामाजिक-अध्ययन क्षेत्र विस्तृत एवं व्यापक होता है जबकि सामाजिक अनुसंधान का अध्ययन-क्षेत्र छोटा होता है।

Scanned with CamScanner

2. प्राक्कल्पना :- सामाजिक अनुसंधान में प्राक्कल्पना के आधार पर अध्ययन कार्य करता है जबकि सामाजिक सर्वेक्षण में प्राक्कल्पना को अध्ययन आधार नहीं बनाया जाता है।

3. अध्ययन की प्रकृति :- सामाजिक अनुसंधान की प्रकृति अधिक सैद्धान्तिक होती है लेकिन सामाजिक सर्वेक्षण की प्रकृति व्यावहारिक व उपयोगितावादी होती है।

4. विषय-वस्तु :- सामाजिक अनुसंधान का सम्बन्ध प्रत्येक प्रकार के सामाजिक घटना, सामाजिक सम्बन्ध एवं व्यवहार से है लेकिन सामाजिक सर्वेक्षण का सम्बन्ध व्यावहारिक समस्याओं का अध्ययन करना है।

5. उद्देश्य के आधार पर :- सामाजिक अनुसंधान का उद्देश्य नवीन ज्ञान की खोज करना है जबकि सामाजिक सर्वेक्षण का उद्देश्य समाज-सुधार एवं समाज कल्याण है।

6. समय के आधार पर :- सामाजिक अनुसंधान का संपादन लम्बा समय लेकर किया जाता है जबकि सामाजिक सर्वेक्षण एक निश्चित समय के अधीन किया जाता है।

7. संगठन के आधार पर :- सामाजिक अनुसंधान व्यक्तिगत स्तर पर आयोजन किया जाता है जबकि सामाजिक अनुसंधान एक अध्ययन दल द्वारा किया जाता है।

8. अध्ययन की गहनता :- सामाजिक अनुसंधान में अधिक गहन एवं सूक्ष्म अध्ययन किया जाता है जबकि सामाजिक सर्वेक्षण में स्थूल अध्ययन किया जाता है।

Scanned with CamScanner

9. व्यवसाय के आधार पर: सामाजिक अनुसंधान व्यक्तिगत स्तर पर विशुद्ध ज्ञान की प्राप्ति के लिए किया जाता है जबकि सामाजिक सर्वेक्षण व्यावसायिक आधार पर भी किया जाता है।

आज के समाजशास्त्री सामाजिक अनुसंधान एवं सामाजिक सर्वेक्षण को ज्ञान विस्तार, प्रगतिशीलता और संगठन बनाने में दोनों का वैज्ञानिक भूमिका मान रहे हैं फलतः सर्वेक्षण अनुसंधान का प्रयोग होने लगा है।

=